

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II--वावत 3--उप-वावत (i) PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 318 नई विल्ली, सोमबार, अक्तुबर 30, 1978/कार्तिक 8, 1900 No. 318] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 30, 1978/KARTIKA 8, 1900

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एका जासके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1978

सा. का. नि. 520(अ). - केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (1) और (6) के साथ पीठस धारा 11 द्वारा प्रवृत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, मन्नास पत्तन न्यासी बोर्ड में स्वर्गीय श्री ए. एस. के. के स्थान पर श्री एम. कल्याण रीन्दरम्, सं. स., को श्रीमक प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करती हैं, और भारत सरकार के नावहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. पी. टी. बी.-25/76-एम.-3 तारीख 30 मार्च, 1977 म⁴ निम्न-लिखित संशोधन करती हैं, अर्थात :--

उक्त अधिसूचना म", कम सं. 10 के सामने की प्रविष्टि म" "श्री ए. एस. के," शब्द और अक्षरों के स्थान पर "श्री एम. कल्याण सुन्दरम", सं. स." शब्द और अक्षर रखी जाएंगी।

> [एफ. सं. पी. टी. सी.-27/76] र. पवमानावन, संयुक्त सचिव

771 GI/78

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 1978

G. S. R. 520(E).—In exercise of the powers conferred by section 11, and with sub-sections (1) and (6) of section 3, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri M. Kalyanasundaram, M.P. as a labour representative of the Madrag Port Trust Board, vice late Shri A.S.K., and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. PTB-25/76-M. III, dated the 30th March, 1977, namely:—

In the said notification, in the entry against serial number 10, for the word and letters "Shri A.S.K.", the word and letters "Shri M. Kalyanasundaram, M. P.," shall be substituted.

[F. No. PTB-27/78] A. PADMANABAN, Joint Secy.